

MAHATMA GANDHI UNIVERSITY
B A SANSKRIT LANGUAGE AND LITERATURE GENERAL
SEMESTER III
COMPLEMENTARY COURSE V - SG3CMT05
NYAYA - THARKASANGRAHA

1. न्यायशास्त्रस्य उपजाता कः?
(गौतमः, गदाधरः, गङ्गेशः, अन्नभट्टः)
2. तर्कसङ्ग्रहस्य कर्ता कः?
(गौतमः, उदयनः, गङ्गेशः, अन्नभट्टः)
3. वैशेषिकदर्शनस्य आचार्यः कः?
(पाणिनिः, जैमिनिः, गौतमः, कणादः)
4. पदार्थाः कति सन्ति?
(पञ्च, सप्त, त्रयः, एकः)
5. कति कर्माणि तर्कशास्त्रे अङ्गीकुर्वन्ति?
(3,5,7,9)
6. समवायः कतिविधः?
(1,3,5,7)
7. तत्र गन्धवती _____ ?
(आपः, पृथिवी, तेजः, वायुः)
8. पृथिव्याः इन्द्रियं किम्?
(घ्राणं, चक्षुः, रसना, त्वक्)
9. आपः शरीरं कुत्र प्रसिद्धम्?
(वायुलोके, वरुणलोके, आदित्यलोके, पृथिव्याम्)
10. आपः लक्षणं किम्?
(स्पर्शवत्त्वं, उष्णस्पर्शवत्त्वं, शीतस्पर्शवत्त्वं, गन्धवत्त्वम्)
11. तेजसः लक्षणं किम्?
(स्पर्शवत्त्वं, उष्णस्पर्शवत्त्वं, शीतस्पर्शवत्त्वं, गन्धवत्त्वम्)
12. तेजसः शरीरं कुत्र?
(वायुलोके, वरुणलोके, आदित्यलोके, पृथिव्याम्)

13. तेजसः विषयः कतिविधः?
(1, 2, 3, 4)
14. रूपरहितत्वे सति स्पर्शवत्त्वं कस्य लक्षणम्?
(तेजसः, पृथिव्याः, आपः, वायोः)
15. शब्दगुणकं किम्?
(आकाशं, वायुः, पृथिवी, अप्)
16. कालः कतिविधः?
(1, 2, 3, 4)
17. प्राच्यादिव्यवहारहेतुः कः?
(कालः, दिक्, आकाशं, मनः)
18. आत्मा कस्य अधिकरणं भवति?
(मनसः, इन्द्रियस्य, ज्ञानस्य, कालस्य)
19. गुणः कतिविधः?
(1,7,9,24)
20. चक्षुर्मात्रग्राह्यो गुणः कः?
(रूपं, रसः, गन्धः, स्पर्शः)
21. अभास्वरशुक्लं कुत्र वर्तते?
(तेजसि, पृथिव्यां, जले, आकाशे)
22. संयोगनाशको गुणः कः?
(संयोगः, विभागः, परत्वं, अपरत्वं)
23. सांसिद्धिकद्रवत्वं कुत्र वर्तते?
(जले, पृथिव्यां, तेजसि, आकाशे)
24. चूर्णादिपिण्डीभावहेतुः गुणः कः?
(गुरुत्वं, द्रवत्वं, परिमाणं, स्नेहः)
25. स द्विविधः, ध्वन्यात्मको वर्णात्मकश्च । कः?
(शब्दः, ज्ञानं, स्मृतिः अनुभवः)
26. कतिविधा बुद्धिः?
(1, 2, 3, 4)
27. संस्कारमात्रजन्यं ज्ञानं किम्?

(स्मृतिः, अनुभवः, ज्ञानं, संस्कारः)

28. अनुभवः कतिविधः?

(1, 2, 3, 4)

29. रजते इदं रजतमिति ज्ञानं किम्?

(प्रमा, अप्रमा, स्मृतिः, संस्कारः)

30. शुक्तौ इदं रजतमिति ज्ञानं किम्?

(प्रमा, अप्रमा, स्मृतिः, संस्कारः)

31. प्रमा कतिविधा?

(1, 2, 3, 4)

32. प्रमाकरणं कतिविधम्?

(1, 2, 3, 4)

33. असाधारणं कारणं किम्?

(कारणं, करणं, ज्ञानं, प्रमा)

34. प्रागभावप्रतियोगि किम्?

(कारणं, करणं, कार्यं, प्रमा)

35. कारणं कतिविधम्?

(1, 2, 3, 4)

36. यत्समवेतं कार्यमुत्पद्यते तत् किम्?

(कार्यं, समवायिकारणं, असमवायिकारणं, निमित्तकारणं)

37. तन्तवः पटस्य किं कारणं?

(कार्यं, समवायिकारणं, असमवायिकारणं, निमित्तकारणं)

38. तुरीवेमादिकं पटस्य किं कारणं?

(कार्यं, समवायिकारणं, असमवायिकारणं, निमित्तकारणं)

39. इन्द्रियार्थसन्निकर्षजन्यं ज्ञानं किम्?

(स्मृतिः, अनुभवः, प्रत्यक्षं, अनुमानं)

40. निर्विकल्पकं सविकल्पकं चेति द्विविधं किम्?

(स्मृतिः, अनुभवः, प्रत्यक्षं, अनुमानं)

41. “इदं किञ्चित्” इति ज्ञानं कोदृशं प्रत्यक्षं?

(निर्विकल्पकं, सविकल्पकं, अनुभवः, अनुमानं)

42. सप्रकारकं ज्ञानं किम्??
(स्मृतिः, अनुभवः, निर्विकल्पकप्रत्यक्षं, सविकल्पकप्रत्यक्षं)
43. इन्द्रियार्थसन्निकर्षः कतिविधः?
(1, 3, 6, 7)
44. चक्षुषा घटप्रत्यक्षजनने कः सन्निकर्षः?
(संयोगः, संयुक्तसमवायः, समवायः, संयुक्तसमवेतसमवायः)
45. घटरूपप्रत्यक्षजनने कः सन्निकर्षः?
(संयोगः, संयुक्तसमवायः, समवायः, संयुक्तसमवेतसमवायः)
46. श्रोत्रेण शब्दत्वसाक्षात्कारे कः सन्निकर्षः?
(संयोगः, संयुक्तसमवायः, समवायः, संयुक्तसमवेतसमवायः)
47. परामर्शजन्यं ज्ञानं किम्?
(प्रत्यक्षं, अनुमितिः, उपमितिः, शब्दः)
48. व्याप्तिविशिष्टपक्षधर्मताज्ञानं किम्?
(प्रत्यक्षं, अनुमितिः, उपमितिः, शब्दः)
49. वह्निव्याप्यधूमवानयं पर्वतः इति ज्ञानं किम्?
(परामर्शः, अनुमितिः, व्याप्तिः, पक्षधर्मता)
50. यत्र यत्र धूमस्तत्र तत्राद्गिरिति साहचर्यनियमः कः?
(परामर्शः, अनुमितिः, व्याप्तिः, पक्षधर्मता)
51. व्याप्यस्य पर्वतादिवृत्तित्वं किम्?
(परामर्शः, अनुमितिः, व्याप्तिः, पक्षधर्मता)
52. व्याप्तिः कतिविधा?
(1, 3, 6, 7)
53. घटोभिधेयः प्रमेयत्वात् इति कीदृशी व्याप्तिः?
(परामर्शः, केवलान्वयि, केवलव्यतिरेकि, अन्वयव्यतिरेकि)
54. पृथिवीतरेभ्यो भिद्यते गन्धवत्त्वात् इति कीदृशी व्याप्तिः?
(परामर्शः, केवलान्वयि, केवलव्यतिरेकि, अन्वयव्यतिरेकि)
55. सन्दिग्धवान् कः?
(पक्षः, परामर्शः, सपक्षः, लिङ्गः)
56. निश्चितसाध्यवान् कः?

(पक्षः, परामर्शः, सपक्षः, विपक्षः)

57. निश्चितसाध्याभाववान् कः?

(पक्षः, परामर्शः, सपक्षः, विपक्षः)

58. हेत्वाभासाः कति?

(1, 3, 5, 7)

59. साध्याभावव्याप्तः हेतुः?

(सव्यभिचारः, विरुद्धः, असिद्धः, सत्प्रतिपक्षः)

60. यस्य साध्याभावसाधकं हेत्वन्वरं विद्यते सः कः?

(सव्यभिचारः, विरुद्धः, असिद्धः, सत्प्रतिपक्षः)

61. गगनारविन्दं सुरभि अरविन्दत्वात् सरोजारविन्दवत् । कः हेत्वाभासः?

(आश्रयासिद्धः, स्वरूपासिद्धः, सव्यभिचारः, विरुद्धः)

62. सोपाधिको हेतुः कः?

(आश्रयासिद्धः, स्वरूपासिद्धः, सव्यभिचारः, सत्प्रतिपक्षः)

63. साध्यव्यापकत्वे सति साधनाव्यापकत्वं किम्?

(आश्रयासिद्धः, उपाधिः, सव्यभिचारः, परामर्शः)

64. पर्वतो वह्निमान् धूमात् इत्यत्र आर्देन्धनसंयोगः कः?

(व्याप्तिः, उपाधिः, सव्यभिचारः, परामर्शः)

65. शब्दो गुणः चाक्षुषत्वात् इति कः हेत्वाभासः?

(आश्रयासिद्धः, स्वरूपासिद्धः, सव्यभिचारः, विरुद्धः)

MAHATMA GANDHI UNIVERSITY
B A SANSKRIT LANGUAGE AND LITERATURE GENERAL
SEMESTER III
COMPLEMENTARY COURSE V - SG3CMT05
NYAYA - THARKASANGRAHA
ANSWER KEY

- | | | |
|-------|-------|-------|
| 1. A | 32. D | 63. B |
| 2. D | 33. B | 64. B |
| 3. D | 34. C | 65. B |
| 4. B | 35. C | |
| 5. B | 36. B | |
| 6. A | 37. B | |
| 7. B | 38. C | |
| 8. A | 39. C | |
| 9. B | 40. C | |
| 10. C | 41. A | |
| 11. B | 42. D | |
| 12. C | 43. C | |
| 13. D | 44. A | |
| 14. D | 45. B | |
| 15. A | 46. C | |
| 16. A | 47. B | |
| 17. B | 48. B | |
| 18. C | 49. A | |
| 19. D | 50. C | |
| 20. A | 51. D | |
| 21. C | 52. B | |
| 22. B | 53. D | |
| 23. A | 54. B | |
| 24. D | 55. A | |
| 25. A | 56. C | |
| 26. B | 57. D | |
| 27. A | 58. C | |
| 28. B | 59. B | |
| 29. A | 60. D | |
| 30. B | 61. A | |
| 31. D | 62. B | |